नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 045
दि. 14.06.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

फ्रांस में होगी पीएम मोदी-ट्रंप की मुलाकात, जी-7 बैठक में भी लेंगे हिस्सा

,,

नई दिल्ली। फ्रांस और स्लोवाकिया की छह दिवसीय यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को फ्रांसीसी शहर नीस पहुंच गए।

पीएम मोदी इन दोनों देशों की द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा करने के साथ ही फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चर्चा काफी अहम रहेगी, लेकिन उनकी वैश्विक नेताओं के साथ होने वाली बैठकों पर भी नजर रहेगी।

इमैनुअल मैक्रों और ट्रंप से मिलेंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ होने वाली वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे।

रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि फ्रांस भारत की रणनीतिक दृष्टि में विशेष स्थान रखता है। इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक ऊंचा उठाया था।

नीस में राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात के दौरान हम फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सहयोग के अगले कदम तय करेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वह वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा करेंगे।

यह दौरा फ्रांस के साथ भारत की

गहरी साझेदारी को नई गति देने के साथ-साथ स्लोवाकिया के साथ ऐतिहासिक संबंध स्थापित करने और जी-7 शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की आवाज बनने का अवसर होगा।

दौरे के पहले चरण में प्रधानमंत्री मोदी 14 जून को नीस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। यह भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर के तहत एक बड़ी पहल है, जो भारतीय इनोवेशन को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगी।

कार्यक्रम में भारत का स्टार्टअप ईकोसिस्टम, डीप टेक स्टार्टअप, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, रक्षा, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति और वैश्विक प्रौद्योगिकी में भारतीय प्रतिभाओं का योगदान प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जार्ज ने भी इसे दोनों देशों की साझेदारी की मजबूती का बड़ा संकेत बताया है। इसके बाद पीएम मोदी स्लोवाकिया जाएंगे। चेक गणराज्य से अलग होने के बाद (वर्ष 1993) यह किसी भारतीय पीएम की पहली राजकीय यात्रा होगी।

ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति पेल्लेग्रिनी और प्रधानमंत्री राबर्ट फिको से द्विपक्षीय वार्ता के अलावा भारतीय और स्लोवाक व्यापारिक नेताओं के साथ भी बैठकें होंगी।16-17 जून को प्रधानमंत्री मोदी इवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

आठवीं बार जी-7 में शामिल होंगे पीएम मोदी

यह लगातार आठवीं बार है जब भारत को जी-7 में आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी कई राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय मुलाकातें करेंगे। खासतौर पर मौजूदा संबंधों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। ट्रंप बार-बार प्रधानमंत्री मोदी को अपना 'अच्छा दोस्त' बताते हैं, लेकिन उनकी सरकार की नीतियां इसके अनुरूप नहीं दिख रही हैं।

रूस से तेल खरीद पर लगातार दबाव, अमेरिका में भारतीयों को निशाना बनाने वाले वीजा नियम और हाल में भारतीय नाविकों से भरे जहाजों पर हुए हमलों ने भारत के अंदर अमेरिका के प्रति असंतोष पैदा कर दिया है।

फ्रांस में होगी प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय बैठक; व्हाइट हाउस ने की पुष्टि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस में आयोजित ॐ शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसकी घोषणा व्हाइट हाउस ने की है। व्हाइट हाउस ने बताया है कि ट्रंप इस शिखर सम्मेलन के दौरान कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिलेंगे। यह लंबे समय बाद पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात होगी।

वॉशिंगटनः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस में मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच द्विपक्षीय बैठक भी होगी। इसकी पुष्टि व्हाइट हाउस ने की है। व्हाइट हाउस ने बताया है कि फ्रांस में ॐ समिट के इतर राष्ट्रपति ट्रंप कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इसके अलावा ट्रंप मेजबान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेंलेंस्क, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

व्हाइट हाउस ने बताया, "राष्ट्रपति ट्रंप सोमवार सुबह जल्दी व्हाइट हाउस से 'वरउ फ्रीडम 250' विमान से फ्रांस के एवियन के लिए रवाना होंगे और

सोमवार दोपहर (वहां के समय के अनुसार) G7 समिट के लिए वहां पहुंचेंगे। इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप G7 नेताओं के साथ मिलकर आर्थिक विकास, सप्लाई चेन की मजबूती, अवैध आव्रजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे... राष्ट्रपति ट्रंप हमारे G7 सहयोगियों के साथ मिलकर जरूरी मिनरल सप्लाई चेन को मजबूत करने, आर्थिक सुरक्षा बढ़ाने और अवैध आव्रजन व ड्रग तस्करी से निपटने के तरीकों को बेहतर बनाने पर भी काम करेंगे।"

बयान में बताया गया, "इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप अक टेक्नोलॉजी को अपनाने को बढ़ावा देंगे... सोमवार को फ्रांस पहुंचने पर, उनके कार्यक्रम में सोमवार शाम को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक शामिल होगी, जिसके बाद मंगलवार सुबह G7 नेताओं के साथ औपचारिक स्वागत और वर्किंग डिनर होगा। राष्ट्रपति ट्रंप G7 नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ एक वर्किंग सेशन में हिस्सा लेंगे।

फिर राष्ट्रपति कतर के अमीर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी।"

मध्य पूर्व के नेताओं से भी मिलेंगे ट्रंप

इसमें आगे कहा गया, "उस दोपहर, वह ॐ नेताओं और मध्य पूर्व के नेताओं के साथ वर्किंग लंच में हिस्सा लेंगे, साथ ही अंतरराष्ट्रीय निवेश साझेदारी पर ॐ नेताओं और ॐ आउटरीच सहयोगियों के साथ एक वर्किंग सेशन में भी शामिल होंगे। मंगलवार शाम को, राष्ट्रपति ट्रंप एक सोशल डिनर में हिस्सा लेंगे और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेंगे। बुधवार सुबह, राष्ट्रपति ट्रंप आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर ॐ नेताओं और ॐ आउटरीच सहयोगियों के साथ एक और वर्किंग सेशन में हिस्सा लेंगे।

पीएम मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति के साथ बैठक करेंगे ट्रंप

बयान के अनुसार, "इसके बाद राष्ट्रपति मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ द्विपक्षीय बैठक, भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक और एवियन से रवाना होने से पहले इनोवेशन और अकपर ॐ नेताओं, ॐ आउटरीच सहयोगियों और ग्लोबल टेक उएड के साथ वर्किंग लंच में हिस्सा लेंगे; और आखिर में, फ्रांस से रवाना होने से पहले वह राष्ट्रपति मैक्रों के साथ वर्साय के महल में डिनर भी करेंगे।"

राजकीय सम्मान के साथ हुआ जसपाल राणा का अंतिम संस्कार, बिलख पड़ा परिवार

भारतीय खेल जगत के सितारे और दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया था। आज उनका अंतिम संस्कार हुआ, जो उनकी इच्छा के मुताबिक हुआ। वाराणसी के पवित्र मणिकर्णिका घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दुखद घड़ी में पुलिस बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहां मौजूद भारी जनसैलाब ने नम आंखों से अपने पसंदीदा खिलाड़ी को अंतिम विदाई दी।

गदरपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग-कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लिया जायजा

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय कयाकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिता के लिए ऊधम सिंह नगर का निरीक्षण किया, जिसमें सुविधाओं, सुरक्षा, परिवहन और आवास की जाँच की गई। उन्होंने विभागों के बीच समय पर, मानकों के अनुसार तैयारी और बेहतर समन्वय का आग्रह किया ताकि आने वाले एथलीटों, कोचों और अधिकारियों का समर्थन किया जा सके, साथ ही खेल और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऊधम सिंह नगर जिले के गदरपुर में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध

कराई जा रही सुविधाओं, सुरक्षा, तकनीकी प्रबंध, आवागमन और ठहरने की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का अनुभव लिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में साहसिक खेलों की अपार संभावनाएं हैं और राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां जल क्रीड़ा, पर्वतीय खेलों और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए बेहद अनुकूल हैं। सरकार इस दिशा में आधुनिक खेल अवसंरचना विकसित करने और सुविधाओं का विस्तार करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

बड़ी कामयाबी : डीआरडीओ ने बनाया बीएमडी के रूप में ब्रह्मास्त्र, चीन की बड़ी-बड़ी मिसाइलें हवा में होंगी ढेर, क्या है खासियत?

(जीएनएस)।

भारत ने 10 और 11 जून को अपनी रक्षा क्षमताओं में एक और बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) सिस्टम की फाइनल डवलपमेंटल टेस्टिंग पूरी कर ली है। DRDO द्वारा किए गए इस कामयाबी ने भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल कर दिया है, जिनके पास लंबी दूरी की बैलिस्टिक और इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों (ICBM) को रोकने और नष्ट करने की ताकत मौजूद है।

क्या किया टेस्टिंग में मिसाइलों ने?

इस टेस्टिंग के दौरान DRDO ने दो अलग-अलग इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों ने दुश्मन की ओर से दागी गई डमी बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक ट्रैक किया और उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। खास बात यह रही कि एक इंटरसेप्शन पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर यानी एंडो-एटमॉस्फियर में किया गया, जबकि दूसरा इंटरसेप्शन अंतरिक्ष की सीमा के पास एक्सो-एटमॉस्फियर में सफल रहा। इससे साबित हुआ कि भारत की मिसाइल ढाल कई स्तरों पर काम करने में सक्षम है।

सफल परीक्षण के बाद DRDO ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा,

"भारत की मल्टी लेवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया। इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने-अपने लक्ष्यों को सटीकता के साथ निशाना बनाया। इन सिस्टम्स को उभरते मिसाइल खतरों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ

विकसित किया गया है।"

यह बयान साफ करता है कि भारत भविष्य के मिसाइल खतरों को ध्यान में रखते हुए अपनी रक्षा तकनीक को लगातार अपग्रेड कर रहा है।

भारत ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस कार्यक्रम की शुरूआत 1999 में की थी। इसके पीछे दो बड़े कारण थे। पहला, 1998 में पाकिस्तान की न्यूक्लियर टेस्टिंग और दूसरा, चीन की तेजी से बढ़ती मिसाइल क्षमताएं। इन दोनों चुनौतियों को देखते हुए भारत ने एक ऐसे सिक्योरिटी सिस्टम को बनाने का फैसला किया जो दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर सके।

कैसे काम करता है ये सिस्टम?

भारत का इटऊसिस्टम मुख्य रूप से दो स्तरों पर काम करती है। पहला स्तर एंडो-एटमॉस्फेरिक डिफेंस है, जो पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर आने वाली मिसाइलों को इंटरसेप्ट करता है।

दूसरा स्तर एक्सो-एटमॉस्फेरिक डिफेंस है, जो अंतरिक्ष या वायुमंडल से बाहर आने वाले खतरों को नष्ट करता है।

पंजाब में तीर्थयात्रियों को बड़ी सौगात, सालासर से वृंदावन तक मुफ्त दर्शन कराएगी 'आप' सरकार

(जीएनएस)।

पंजाब की भगवंत मान सरकार सालासर-खाटू श्याम जी, हरिद्वार-त्रिषिकेश और मथुरा-वृंदावन का भी मुफ्त दर्शन कराएगी। अभी तक भगवंत मान सरकार दरबार साहिब-दुग्र्याणा मंदिर व बाल्मीकि मंदिर और आनंदपुर साहिब-नैना देवी मंदिर के ही दर्शन करा रही थी। लेकिन श्रद्धालुओं की भारी मांग पर सरकार ने तीन नए रूटों पर स्थित इन तीर्थ स्थलों पर भी अपने खर्चे पर श्रद्धालुओं को भेजने का फैसला किया है।

शनिवार को जालंधर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यह जानकारी साझा की। इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान समेत अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहादत दिवस बहुत

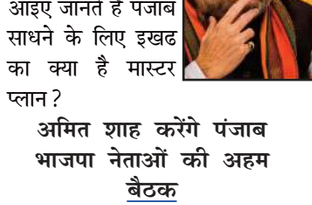

धूमधाम, इज्जत और सम्मान के साथ मनाया। अब गुरु रविदास जी का 650वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। इसे भी बहुत अच्छे से आयोजित किया जा रहा है। पटियाला में मां काली का प्रसिद्ध मंदिर है। लोगों की उसमें बहुत श्रद्धा है और मान्यता है। वहां पूरे उत्तर भारत से लोग अपनी मनोकामनाएं और दुख लेकर आते हैं, जिन्हें मां पूरी करती हैं और उनके दुखड़े दूर करती हैं। 85 करोड़ रुपए की लागत से उस मंदिर का पूरा जीर्णोद्धार और विकास किया जा रहा है। सितंबर में यह बनकर तैयार हो जाएगा। मेरी अपील है कि बनने के बाद पंजाब के लोग एक बार मंदिर जाकर मां काली के दर्शन जरूर करें।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार बहुत सारी तीर्थ यात्राओं का भी आयोजन कर रही है। इसके लिए सरकार ने वोल्वो बसें ली हैं। अभी तीर्थयात्रा के दो रूट चल रहे हैं। एक रूट पर दरबार साहिब-दुग्र्याणा मंदिर और वाल्मीकि मंदिर के दर्शन कराए जाते हैं। दूसरे रूट पर आनंदपुर साहिब और नैना देवी मंदिर के दर्शन कराए जाते हैं।

कौन हैं देश के नए आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ? जिनके खौफ से कांपते हैं दुश्मन

भारतीय सेना को अपना नया बॉस मिलने वाला है। भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला नया चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त कर दिया है।

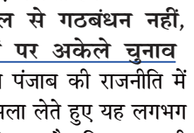

मौजूदा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के रिटायर होने के बाद 30 जून को लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ आर्मी चीफ का कार्यभार संभालेंगे और देश की सुरक्षा की बागडोर अपने हाथों में लेंगे। इस नियुक्ति को लेकर रक्षा मंत्रालय की तरफ से एक आधिकारिक पत्र जारी कर मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की जानकारी के अनुसार 30 जून 2026 से भारतीय सेना के नए थल सेनाध्यक्ष का कार्यकाल शुरू होगा और 31 अगस्त, 2028 तक अपनी शानदार सेवाएं देंगे।

पंजाब चुनाव जीतने का अमित शाह ने बनाया मास्टर प्लान, क्या है 117 सीटों पर बीजेपी की रणनीति?

(जीएनएस)।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी इस बार राज्य में सत्ता तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगाने के मूड में दिखाई दे रही है।

सूत्रों के मुताबिक, पंजाब चुनाव की रणनीति की कमान सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल ली है। भाजपा का मानना है कि राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियां पार्टी के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं और यदि सही रणनीति अपनाई जाए तो पंजाब में पार्टी अपना जनाधार काफी हद तक बढ़ा सकती है।

राज्य में अअढ, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के बीच जारी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच इखढ खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करने की कोशिश में जुटी है। अकेले चुनाव, 117 सीटों पर दांव... आइए जानते हैं पंजाब साधने के लिए इखढ का क्या है मास्टर प्लान?

अमित शाह करेंगे पंजाब भाजपा नेताओं की अहम बैठक

आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, अमित शाह इसी महीने पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं और संगठन पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाने वाले हैं। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि बैठक का प्रमुख एजेंडा पंजाब में चलाए जाने वाले ड्रग्स विरोधी अभियान को अंतिम रूप देना होगा।

बीजेपी का मानना है कि नशे का मुद्दा पंजाब के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सबसे संवेदनशील विषयों में से एक है। पार्टी इसे चुनावी मुद्दे के रूप में जनता के बीच मजबूती से उठाना चाहती है। बीजेपी नेताओं का आकलन है कि यदि नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया गया तो युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के बीच पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ सकती है।

अकाली दल से गठबंधन नहीं, 117 सीटों पर अकेले चुनाव

बीजेपी ने पंजाब की राजनीति में एक बड़ा फैसला लेते हुए यह लगभग तय कर लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के साथ गठबंधन नहीं करेगी। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इस बार राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

बेटी भगाने की रंजिश में हत्या, 3 दोषियों को उम्रकैद:सीतापुर में कोर्ट 10-10 हजार का लगाया जुमार्ना, 12 साल बाद आया फैसला

(जीएनएस)।

सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई युवक की हत्या के मामले में अदालत ने 12 साल बाद अहम फैसला सुनाया है। जिला न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों दोषियों को जेल भेज दिया गया।

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में जिला न्यायालय ने 12 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है।

यह मामला 24 जनवरी 2014 का है। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय बबलू अपने पिता शिव सागर के साथ जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उस पर बांके से हमला कर दिया। हमले में बबलू गंभीर रूप

से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे की हत्या उसके पिता की आंखों के सामने हुई थी, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस जांच में सामने आया था कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी। अभियुक्त मनोहर की बेटी को बबलू अपने साथ भगा ले गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते मनोहर ने अपने साथियों शिवनारायण और चंद्रिका के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध किए।

जिला न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने सुनाई सजा

जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद मनोहर, शिवनारायण और चंद्रिका को दोषी ठहराया।

अदालत ने तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों की जमानत निरस्त कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

करीब 12 वर्ष तक चले इस मुकदमे के बाद आए फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद पूरी हुई है।

युवा अध्यक्ष बने प्रिंस गुप्ता, व्यापार मंडल ने किया संगठन विस्तार

(जीएनएस)।

अयोध्या , उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला इकाई ने अपने संगठन का विस्तार किया है। इस प्रक्रिया में सूचितागंज बाजार के व्यापारी प्रिंस गुप्ता को युवा अध्यक्ष बनाया गया है।

संगठन ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी जसबीर सिंह सेठी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। मनीष गोयल को महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष अतुल कुमार सिंह और महानगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि मार्च 2027 में प्रदेश स्तरीय चुनाव होंगे। इन चुनावों के लिए जिले में संगठन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। जिला अध्यक्ष ने

बिजली बिलों में कथित बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

महानगर महामंत्री अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में कई व्यापारी मौजूद रहे। इनमें जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गांधी और पार्षद ज्ञान केसरवानी शामिल थे। महानगर कोषाध्यक्ष यशस्पति अग्रवाल भी उपस्थित थे। वरिष्ठ व्यापारी बैजनाथ वैश्य, अरविंद गुप्ता, शिवम यादव, अभिषेक यादव, सूर्यप्रकाश और निशांत सिंह सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद थे।

लाखों की ठगी, लखनऊ-गोरखपुर से दंपति समेत चार गिरफ्तार

(जीएनएस)।

निचलौल/महराजगंज। नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने महिला समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सभी आरोपित उन्नाव, लखनऊ व गोरखपुर के रहने वाले हैं।

ठूठीबारी के जमुई कला निवासी निर्भय कुमार मद्धेशिया व पिपराकाजी निवासी रीना चौधरी ने 12 जून को निचलौल थाने में तहरीर देकर बताया था कि नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने उनसे व उनके परिचितों से लगभग 10 लाख रुपये ठग लिए हैं।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर निचलौल पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम आरोपितों की गिरफ्तारी में जुट गई। शनिवार को पुलिस ने वांछित चार आरोपितों को लखनऊ और गोरखपुर के विभिन्न स्थानों से

गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि गिरोह नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सरकारी एवं निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का भरोसा देता था। विश्वास में लेने के बाद उनसे मोटी रकम वसूलकर फर्जी नियुक्ति पत्र, आफर लेटर तथा अन्य कूटरचित दस्तावेज उपलब्ध कराता था।

गिरफ्तार आरोपितों में राजचन्द्रा उर्फ अजीत निवासी कोईली खाल, बड़हलगंज जिला गोरखपुर, आमोद राठौर निवासी जानकीपुरम, लखनऊ, कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव और अराधना कुमारी पत्नी कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव, वर्तमान पता दीनदयालपुरम तकरोही इंदिरानगर, लखनऊ शामिल हैं।

थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों, लेन-देन और संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटा रही है।

नैमिषारण्य में जल्द शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा:सीतापुर में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे का दावा, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

(जीएनएस)।

सीतापुर के प्रभारी मंत्री का दायित्व मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य रसद मंत्री मनोज पांडे शनिवार को पहली बार नैमिषारण्य पहुंचे। उनके आगमन को लेकर तीर्थनगरी में विशेष उत्साह का माहौल रहा।

इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी, चक्रतीर्थ और मां ललिता देवी शक्तिपीठ सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की।

प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने अपनी धार्मिक यात्रा की शुरूआत हनुमानगढ़ी मंदिर से की। यहां महंत बजरंग दास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा और आरती संपन्न हुई।

इसके बाद उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग

लिया, जहां तीर्थ पुरोहित राजनारायण पाण्डेय ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा कराई।

इसके पश्चात मंत्री मां ललिता देवी शक्तिपीठ पहुंचे, जहां मंदिर के पुजारी भास्कर शास्त्री ने विशेष पूजन कराया। मंत्री ने प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की।

दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बातचीत में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने नैमिषारण्य में तैयार हेलीपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू किए जाने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों से वार्ता कर जल्द से जल्द हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सेवा शुरू होने से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार नैमिषारण्य को देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों में विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यहां की आध्यात्मिक और पौराणिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इस दौरान उपजिलाधिकारी अभिनव यादव, क्षेत्राधिकारी ब्रजेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव, ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पाण्डेय सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी रही। मंत्री के दौरे से स्थानीय लोगों में विकास कार्यों को लेकर नई उम्मीद जगी है

अलीगढ़ में लखनऊ-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव, आरपीएफ ने एक युवक को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

अलीगढ़। लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच पर शनिवार को अलीगढ़ और महरावल स्टेशन के बीच पत्थर फेंककर शीशा तोड़ दिया। अंदर का शीशा सुरक्षित होने के कारण बराबर में बैठे यात्री को चोट नहीं आई है।

इस घटना में एक युवक को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले गुरुवार को लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच 54 पर फिरोजाबाद के पास पत्थर फेंककर शीशा टूटने की घटना हो चुकी है। इस ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत और कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां यात्रा कर रहीं थी। यह दो दिन के अंदर दूसरी घटना है।

शनिवार की सुबह गाड़ी संख्या 12033 शताब्दी एक्सप्रेस के कोच सी-08 पर किसी ने पत्थर मारकर तोड़ दिया। सीट नंबर आठ पर यात्रा कर रही महिला हिमगिरी ने फोन पर बताया कि उनकी सीट नंबर छह थी लेकिन सुविधा के अनुसार वह आठ नंबर यात्रा कर रहीं थीं।

अलीगढ़ से चलने के तीन मिनट बाद सीट नंबर आठ और नौ की खिड़की पर बाहर से उत्तरी दिशा से किसी ने पत्थर फेंकने से शीशा टूट गया। अंदर का शीशा नहीं टूटा था।

इससे किसी यात्री को चोट नहीं आई। स्टेशन मास्टर के अनुसार गाड़ी अलीगढ़ सुबह 9.14 बजे पहुंची और दो मिनट रुकने के बाद 9.16 बजे रवाना हो गई।

महरावल से यह ट्रेन 9.22 बजे गुजरी है। यात्री के अनुसार घटनास्थल अलीगढ़ और महरावल बताया जा रहा है। सूचना पर एसआई धीर सिंह, एएसआई सुधीर कुमार, कांस्टेबल बिजेंद्र कुमार, इसकी छानबीन चल रही है।

सहायक सुरक्षा आयुक्त गुलजार सिंह और प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार तिवारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है।

आरपीएफ ने इस मामले में थाना क्वार्सी के मौलाना आजाद नगर, कोलंबिया स्कूल के पीछे निवासी तालिब को गिरफ्तार किया है।

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के दो संदिग्धों ने खरीदीं महंगी जमीनें, अब पकड़े गए

(जीएनएस)।

अयोध्या। राम नगरी में रामजन्मभूमि परिसर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने के मामले में ट्रस्ट ने दो और कर्मचारियों को पकड़ा है।

ट्रस्ट की ओर से जांच में इतनी गोपनीयता बरती जा रही है कि सुरक्षा से जुड़ा कोई भी अधिकारी इसे स्वीकार नहीं कर रहा है, जबकि पकड़े गए संदिग्ध कर्मियों से पूछताछ में जिनके नाम सामने आ रहे हैं, उन्हें उनके ठिकानों से उठाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सारी कार्रवाई बिना पुलिस में एफआईआर के ही की जा रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण में ट्रस्ट के कर्मचारियों साथ मिलकर संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि गबन मामले से जुड़े रुदौली के मीनापुर फगौली के मजरे फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश को दबोचा गया है, जो ट्रस्ट का कर्मी है और वह भी गणना से जुड़ा रहा है। इसके घर से कुछ नकदी भी बरामद

की गई है, परंतु मात्रा नहीं पता चल सकी। लवकुश ने हाल ही में रामनगरी में 40 लाख रुपये का भूखंड खरीदा था। अब उस पर मकान भी बनवा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर के गर्भगृह में सेवारत एक तिवारी पर नजर रखी जा रही है, उसे पूछताछ की गई है। इसे महाकुंभ के दिनों में भक्तों की ओर से अर्पित सोने-चांदी के आभूषणों को एकत्रित करने का दायित्व सौंपा गया था। इसने भी कुछ माह पहले डेढ़ करोड़ की जमीन खरीदी है। इसी से सवाल उठ रहा कि इतना महंगा भूखंड उसने कैसे खरीदा, जबकि उसे ट्रस्ट की ओर से प्रतिमाह लगभग 18 से 20 हजार रुपये ही पारिश्रमिक दिया जाता है।

ऐसे कुछ अन्य लोग भी हैं, जो गणना से जुड़े रहे और उनकी आर्थिक स्थिति कम समय में ही सुदृढ़ होती गई। सूत्रों ने बताया कि जांचकताओं को उन ट्रस्ट कर्मियों से ही जानकारी मिल रही है, जिन्हें यात्री सुविधा केंद्र में रखा गया है। अब भी गोपनीय स्तर पर यही प्रयास चल रहा है कि गबन की गई रकम का अधिकतम हिस्सा बरामद हो जाए, तो किसी विधिक कार्रवाई से बचा जा सके।

सपा जिलाध्यक्ष व भाजपा नेता ने फिर की सीबीआइ जांच की मांग

समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहाकि यह हिंदू सनातनियों की आस्था पर प्रहार है। इसकी विधिवत जांच किसी केंद्रीय जांच एजेंसी से कराई जानी चाहिए, जिससे दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई हो सके।

वहीं, भाजपा नेता डा. रजनीश सिंह ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर इस प्रकरण की सीबीआइ या ईडी से जांच कराने की मांग की है। इसके पहले भी उन्होंने पीएम को पत्र भेजा था।

लखनऊ में लाखों लोगों को मिलेगी राहत; अवैध निमार्णों को लेकर एलडीए की खास तैयारी, अब जमा करने होंगे यह दस्तावेज

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले के बाद लखनऊ के लगभग 120 गांवों में बने हजारों निर्माण अब अवैध से वैध हो जाएंगे. लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) इन निमार्णों को अनुमोदित करेगा, जिससे लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है.

आवास विभाग के आदेश के अनुसार, 31 मई 2026 तक के निर्माण इस योजना के दायरे में आएंगे. एलडीए के क्षेत्र में आने वाले यह गांव वैसे तो लखनऊ विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल हैं, लेकिन हजारों लोगों ने जिला पंचायत से नक्शा पास करा लिया था. अब एलडीए इन नक्शों

को अपनी प्रक्रिया के माध्यम से मंजूरी देगा. इस फैसले से उन लोगों को फायदा होगा जिनके मकान, दुकान या अन्य निर्माण बिना एलडीए की मंजूरी के बने थे और उन्हें अवैध माना जा रहा था. यह कदम आम नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है.

पहले इन निमार्णों पर डिमोलिशन की तलवार लटकी रहती थी, जिससे लोगों में भय और अनिश्चितता बनी रहती थी. अब एलडीए इन निमार्णों को नियमित करेगा. आवास विभाग के आदेश के बाद एलडीए की टीम इन मामलों की जांच-पड़ताल करेगी और जरूरी दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी प्रदान करेगी.

इस योजना का लाभ उन परिवारों को सबसे ज्यादा मिलेगा जो पिछले कई वर्षों से इन गांवों में रह रहे हैं. अनुमान है कि इससे जुड़े लाखों लोगों को कानूनी सुरक्षा मिल जाएगी. उनके मकानों की रजिस्ट्री, बिजली-पानी के कनेक्शन और अन्य सुविधाओं में भी आसानी होगी.

जिला पंचायत से नक्शा पास करके सैकड़ों की संख्या में अपार्टमेंट, दर्जनों बड़े कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, होटल, रिसोर्ट बड़ी संख्या में कमर्शियल कंपलेक्स बनाए गए. अनेक टाउनशिप विकसित की गईं. इनमें से ज्यादातर को लखनऊ विकास प्राधिकरण के डिमोलिशन और सीलिंग के नोटिस भेजे गए.

जिससे यहां रहने वाले लोगों के मन में हमेशा आशंका बनी रहती थी कि आखिर उनके आशियाने का भविष्य क्या होगा. सरकार के इस निर्णय के बाद अब उनका आवेदन करना होगा, जिसके तहत उनके निर्माण के नक्शे को दुरुस्त किया जाएगा.

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी. आवेदकों को जरूरी दस्तावेज जैसे नक्शा, भूमि दस्तावेज, निर्माण की तारीख के प्रमाण आदि जमा करने होंगे. 31 मई 2026 तक पूरे हुए निर्माण ही इस योजना में शामिल होंगे. इसके बाद नए निमार्णों के लिए एलडीए से ही मंजूरी लेनी होगी.

यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार की आवास सुधार नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहर के विकास को व्यवस्थित करना और लोगों को राहत प्रदान करना है. लखनऊ जैसे बड़े शहर में आबादी तेजी से बढ़ रही है और कई इलाके विकास की सीमा में आ गए हैं. ऐसे में पुराने निमार्णों को वैध बनाने का यह कदम विकास की गति को बनाए रखते हुए जनहित को ध्यान में रखता है.

अयोध्या राम मंदिर दान के धन में चोरी की जांच करेगी एसआईटी, योगी सरकार ने दो हफ्ते में मांगी फाइनल रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। राम नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा चोरी होने के प्रकरण में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शरण में है। ट्रस्ट ने चढ़ावा की धनराशि की बड़ी चोरी का पदार्फाश करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का अनुरोध किया है।

ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसमें लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज आईपीएस किरन एस व विशेष सचिव वित्त आईएएस नील रतन को शामिल किया गया है। एसआइटी को सात दिन में अंतरिम रिपोर्ट और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

चढ़ावा चोरी लगातार बढ़ते आरोपों पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया है। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपये की चोरी के दावे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार शाम को सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय में पत्र भेजकर चोरी के दावे की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से

कराने का अनुरोध किया है।

राम मंदिर में दान पात्रों में दान की गई धनराशि चोरी मामले में लगातार हो रही फजीहत के बाद ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने चढ़ावे के रुपये की चोरी को लेकर रोज हो रहे नए प्रकरण पर अब विराम लगाने के क्रम में यह कदम उठाया है। इससे पहले ट्रस्ट की ओर से आंतरिक जांच और आडिट की बात कही जा रही थी।

ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि दान पात्रों में धनराशि की चोरी से जुड़ी तमाम अफवाहों और दावों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया जाए। ट्रस्ट का कहना है कि एक उच्च स्तरीय एसआईटी जांच से न केवल इस पूरे प्रोपेगैंडा के पीछे छिपे चेहरों का पदार्फाश होगा, बल्कि देश की जनता के सामने यह सच भी आ जाएगा कि राम मंदिर में चढ़ावे की एक-एक पाई पूरी तरह सुरक्षित और पूरी पारदर्शिता के साथ बैंक खातों में जमा की जाती है। ट्रस्ट का मानना है कि यह श्रीराम मंदिर की छवि और करोड़ों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचाने की एक गहरी साजिश है, जिसका पदार्फाश होना बेहद जरूरी है।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) विशेष जांच दल है। यह पुलिस या कानून प्रवर्तन अधिकारियों की एक विशेष और पेशेवर टीम होती है। जिसे किसी अत्यंत गंभीर, जटिल या संवेदनशील आपराधिक मामले की गहराई से जांच करने के लिए गठित किया जाता है।

जब कोई बहुत बड़ा घोटाला या अपराध होता है, तब उसकी निष्पक्ष जांच के लिए सरकार एसआईटी का गठन करती है। इस टीम में आमतौर पर राज्य पुलिस के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी, साइबर विशेषज्ञ और फॉरेंसिक जांचकर्ता शामिल होते हैं। एसआईटी के पास आम पुलिस के समान ही जांच करने, सबूत इकट्ठा करने और सीधे अदालत में चार्जशीट दाखिल करने की पूर्ण शक्ति होती है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

वाशिंगटन एक तरफ तो दिल्ली को अपना मित्र बताता है और होर्मूज में भारतीय नाविकों को मार रहा

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से यह कहना कि सभी कॉमर्शियल जहाजों को होर्मूज स्ट्रेट में अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरन्त पालन करना चाहिए और अमेरिकी नाकेबन्दी का उल्लंघन एवं ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बात का स्पष्ट संदेश है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका हर हथकण्डा अपना रहा है। अमेरिका जिस तरह ईरान को घेर कर बैठा है, इससे एक बात तो साफ है कि अब या तो विवश होकर ईरान समझौता कर ले अथवा समझौते का विकल्प हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह अमेरिका की रणनीतिक चाल है कि एक तरफ उसने समझौते की संभावना की खबर पैला दी है और इजरायल की नाराजगी की हवा फैला दी है जबकि दूसरी तरफ ईरान के लिए स्थाईं मुसीबत खड़ी कर दी है।

उल्लेखनीय है कि 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झण्डे वाले तेल टैंकर 'मेरीवैक्स' तेल टैंकर को बेकार कर दिया था जिसमें 24 भारतीय नाविक सवार थे। इस हमले में तो सभी ब्रू मेम्बर बचा लिए गए किन्तु 10 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे लगे एक और टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गईं। बृहस्पतिवार यानि 11 जून को एक और जहाज 'जलवीर'

पर भी हमला हुआ जो गिनी बिसाऊ के झंडे वाला टैंकर था और जिसमें 20 भारतीय सवार थे। असल में विदेश मंत्री जयशंकर अपने यूरोप प्रवास में हैं और उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष से कॉमर्शियल जहाजों पर इस तरह के हमले को गलत बताया तब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने जवाब में दो टूक कहा कि अमेरिकी सेना ऐसे हमले करती रहेगी क्योंकि अमेरिका नहीं चाहता कि कोईं भी टैंकर ईंरान से तेल लेकर होर्मूज स्ट्रेट से गुजरे। इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिकी राजदूतावास के डिपटी चीफ आफ द मिशन (डीसीएम) जेसन मोक्स को जब शुव्रवार को विदेश मंत्रालय में बुलाकर स्पष्ट किया जा रहा था कि अमेरिकी सेना के इस तरह टैंकरों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और अमेरिकी राजनायिक का यह कहना कि हमले गलती से हुए तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इस घटना पर सफाईं देते हुए यह कहना कि इन टैंकरों पर हमले ईंरान ने किया है कितना भ्रामक है। सच तो यह है कि राजदूतावास के डीसीएम और राष्ट्रपति तो बहाना बना रहे थे लेकिन विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से अपनी रणनीति की जानकारी डॉ. जयशंकर को दे दी। यह सच है कि अमेरिका दुनिया के किसी भी देश के राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं करता। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जो यूरोप अमेरिका के अनुयायी और अंध समर्थक के रूप में जाना जाता था, ट्रंप के मौजूदा अमेरिका ने उसके राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं की तो भारत को यह भूल जाना चाहिए कि अमेरिका नईं दिल्ली को अपना स्वाभाविक मित्र मानता है। भारत को अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं करना चाहिए किन्तु दुश्मनी से बचना भी चाहिए। मतलब यह कि खुद को मजबूत, समृद्ध और प्रभावशाली बनाए, अमेरिका से किसी भी तरह की उम्मीद न करे। भारत को यह समझने की जरूरत है कि एक तरफ तो वह नईं दिल्ली को अपना मित्र बताता है जबकि भारतीय नाविकों को मार रहा है किन्तु चीन के टैंकर धड़ल्ले से होर्मूज स्ट्रेट से निकल रहे हैं जिन पर अमेरिकी सैनिक हमले नहीं करते। इसका सीधा हिसाब यही है कि अमेरिका शक्ति की भाषा समझता है, इसलिए इस वक्त भारत को अनावश्यक उलझने की बजाए अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए और अमेरिका के साथ संबंधों की संतुलित एवं वैलवुलेटिव ही रखना चाहिए अन्यथा वह भारत को अपने दोस्ती का झांसा देकर शत्रुवत व्यवहार करता रहेगा।

'अल्पसंख्यक खतरे में हैं..': किरेन रिजिजू ने शेयर किया ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा पर वाजपेयी का वह भाषण

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अल्पसंख्यकों को लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला किया है। रिजिजू ने अटल बिहारी वाजपेयी का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, जिसमें ईरान के पूर्व राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा का जिक्र है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 1995 में ईरान के राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी की लखनऊ यात्रा पर संसद में विपक्ष के नेता के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक भाषण शेयर कर के विपक्ष पर निशाना साधा है।

'कांग्रेस के कार्यकाल में कहते थे अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं'

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अटल बिहारी के भाषण वाले वीडियो के साथ अपनी टिप्पणी में लिखा है, 'कांग्रेस के कार्यकाल में भी, यही लोग कहते थे कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं।'

'ईरान के साथ हमारे संबंध और भी मैत्रीपूर्ण हों'

वीडियो में ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति की भारत यात्रा की समाप्ति के बाद अटल बिहारी वाजपेयी संसद में कह रहे हैं, 'मैंने अपने भाषण में ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा का उल्लेख किया था...। वे हमारे आदरणीय मेहमान थे। ईरान के साथ हमारे संबंध और भी मैत्रीपूर्ण हों...।'

'घरेलू मामले में दखल देने के लिए निमंत्रण दिया'

उन्होंने एक राजनीतिक दल की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया कि क्या ईरान के राष्ट्रपति को देश के आंतरिक मामलों में दखल देने के लिए बुलाया गया था, '...उनकी लखनऊ

यात्रा के दौरान जो कुछ हुआ...जिस तरह से उनकी यात्रा का एक दल विशेष द्वारा संकुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई..सांप्रदायिकता को भड़काने की कोशिश की गई, उन्हें भारत के घरेलू मामले में दखल देने के लिए निमंत्रण दिया गया...क्या प्रधानमंत्री को मालूम है कि जब वो अमौसी हवाई अड्डे से इमामबाड़े तक गए तो कोई भारत का राष्ट्रीय झंडा नहीं था?'

..ईरान के राष्ट्रपति के सामने ये कहा गया कि देश में अल्पसंख्यक खतरे में हैं, वही अल्पसंख्यकों को बचा सकते हैं...क्या इसलिए ईरान के राष्ट्रपति को लखनऊ ले जाया गया था?

अटल बिहारी वाजपेयी का संसद में भाषण, 1995

ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा में क्या हुआ

यह बात अप्रैल, 1995 की है, जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी भारत यात्रा पर आए थे। इस दौरान वह लखनऊ यात्रा पर गए और उनकी यह यात्रा देश-विदेश में सुर्खियां बनीं।

उस समय केंद्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार थी।

लखनऊ भारत का ऐसा शहर है, जहां शिया मुसलमानों की बड़ी आबादी रहती है। अपनी लखनऊ यात्रा के दौरान अकबर हाशमी रफसंजानी बड़ा इमामबाड़ा गए और करीब 10,000 लोगों की सभा को संबोधित भी किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने भाषण में उन्होंने इस बात का खास तौर पर जिक्र किया कि मुसलमानों को भारत में सुरक्षित महसूस करना चाहिए और उन्होंने भारतीय धर्मनिरपेक्षता की खूब तारीफ भी की।

उनकी यह यात्रा 1992 में बाबरी मस्जिद ढांचे को गिराने के बाद हुई थी, इसलिए एक वर्ग को उम्मीद थी कि वह भारत में अल्पसंख्यकों के असुरक्षित होने जैसी बातें कहेंगे।

लेकिन, उनकी यह यात्रा भारतीय मुसलमानों के मन में बैठी तमाम दुविधाओं को दूर करने के तौर पर देखी गई।

मौत के 132 दिन बाद सुपुर्द-ए-खाक होंगे खामेनेई, 6 दिनों के अंतिम संस्कार का शेड्यूल जारी

(जीएनएस)।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तारीख आखिरकार तय कर दी गई है. ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, 4 जुलाई से तेहरान में अंतिम संस्कार कार्यक्रम शुरू होगा और 9 जुलाई को उनके गृहनगर मशहद में दफन के साथ पूरा होगा. खामेनेई की मौत फरवरी में अमेरिका और इजराइल के हमलों के दौरान हुई थी.

अली खामेनेई की मौत के बाद से ही अंतिम संस्कार को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं. सुरक्षा हालात, क्षेत्रीय तनाव और सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी प्रक्रियाओं के कारण कार्यक्रम में कई महीनों की देरी हुई. अब ईरान ने पूरे कार्यक्रम का आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है.

ईरानी प्रशासन के अनुसार, अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरूआत 4 जुलाई को राजधानी तेहरान से होगी. यहां तीन दिनों तक बड़े स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. देशभर से लोगों के पहुंचने की उम्मीद है. तेहरान प्रशासन का कहना है कि करोड़ों लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं. सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि इतने बड़े आयोजन को बिना किसी परेशानी के पूरा किया जा सके.

मुहर्रम की वजह से टाली गई थी तारीख

ईरान ने पहले योजना बनाई थी कि अंतिम संस्कार मुहर्रम की शुरूआत में किया जाएगा. लेकिन बाद में इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया. तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी ने बताया कि मुहर्रम के शुरूआती दिनों में शिया समुदाय इमाम हुसैन की शहादत का मातम मनाता है. इसी वजह से सरकार ने फैसला किया कि पहले धार्मिक कार्यक्रम पूरे होने दिए जाएं और उसके बाद खामेनेई का अंतिम संस्कार आयोजित किया जाए.

मार्च में होना था दफन, लेकिन बढ़ गई देरी

खामेनेई को मार्च में दफनाए जाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन हालात बदल गए. क्षेत्र में जारी संघर्ष,

सुरक्षा से जुड़े मुद्दे और राजनीतिक परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा. इसके बाद कई महीनों तक नई तारीख पर चर्चा चलती रही. इस दौरान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने अलग-अलग विकल्पों पर विचार किया. आखिरकार जुलाई की तारीख तय की गई ताकि सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार की जा सकें.

ये भी पढें; ईरान के नए सुप्रीम लीडर पर फिदा हुए ट्रंप! मोजतबा खामेनेई को लेकर दिया ऐसा बयान कि हिल गई पूरी दुनिया

कोम में भी होगा विशेष श्रद्धांजलि समारोह

तेहरान में तीन दिन के कार्यक्रम के बाद 7 जुलाई को पवित्र शहर कोम में एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा. कोम शिया मुस्लिमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र माना जाता है. यहां देश के बड़े धार्मिक नेता और हजारों श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं. ईरानी प्रशासन का मानना है कि यह कार्यक्रम खामेनेई को अंतिम सम्मान देने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा होगा और इससे बड़ी संख्या में लोग जुड़ेंगे.

9 जुलाई को मशहद में होगा अंतिम दफन

अंतिम चरण में 9 जुलाई को अली खामेनेई को उनके गृहनगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा. उनकी मौत के करीब 132 दिन के बाद यह दफन प्रक्रिया पूरी होगी. इस लंबे इंतजार के दौरान उनके उत्तराधिकारी और सत्ता हस्तांतरण को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं होती रहीं. अब दफन की तारीख तय होने के बाद इन अटकलों पर विराम लगने की उम्मीद है. मशहद में भी लाखों लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है.

रीना रॉय को जहां छुना था छू लिया', शत्रुघ्न सिन्हा के बयान ने काटा बवाल, एक्ट्रेस के लिए की थी हद पार

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के सुनहरे दौर में कई ऐसी प्रेम कहानियां रहीं हैं, जिनकी चर्चा फिल्मों से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी को लेकर होती थी। जहां एक ओर अमिताभ बच्चन और रेखा के रिश्ते ने सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय का नाम भी उस दौर की सबसे चर्चित जोड़ियों में शामिल रहा था। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई थी।

शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय की केमेस्ट्री

हालांकि वक्त के साथ शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय का रिश्ता टूट गया लेकिन इससे जुड़े किस्से आज भी लोगों की दिलचस्पी का विषय बने हुए हैं। हाल ही में एक वरिष्ठ फिल्म पत्रकार ने शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय से जुड़ा ऐसा किस्सा शेयर किया है, जिसने एक बार फिर इस चर्चित रिश्ते को सुर्खियों में ला दिया है।

जब रीना रॉय को लेकर नाराज हो गए थे शत्रुघ्न सिन्हा

-वरिष्ठ पत्रकार ज्योति वेंकटेश ने एक इंटरव्यू के दौरान उस घटना का जिक्र किया, जब रीना रॉय ने कथित तौर पर एक फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। उस समय एक फिल्म मैगजीन के लिए दिए गए इंटरव्यू में शत्रुघ्न सिन्हा से इस बारे में सवाल पूछा गया था।

-बताया जाता है कि सवाल सुनते ही शत्रुघ्न सिन्हा ने काफी तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उनके जवाब को लेकर उस समय इंडस्ट्री में काफी चर्चा हुई थी और मीडिया में भी ये बयान लंबे समय तक सुर्खियों में बना रहा।

'रीना रॉय को जहां-जहां छूना था छू लिया'

दरअसल शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था- रीना रॉय ये कैसे कह सकती हैं कि शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम नहीं करूंगी। रीना रॉय को जहां-जहां जितना-जितना छूना था वहां-वहां उतना-उतना छू लिया और उसे आगे छूने की तमन्ना ही नहीं है मेरे दिल में। इसके बाद एक्टर के इस बयान पर काफी बवाल मच गया था। शत्रुघ्न सिन्हा की टिप्पणी को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था और ये मामला बॉलीवुड गलियारों में चर्चा का विषय बन गया था।

रीना रॉय के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थे एक्टर

-ज्योति वेंकटेश ने इंटरव्यू में एक और दिलचस्प खुलासा किया। उनके अनुसार एक फिल्म में रीना रॉय को कास्ट करने के लिए शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रोड्यूसर से अपनी फीस कम करने तक की बात कह दी थी।

-पत्रकार ने बताया कि उस फिल्म में रीना रॉय की जगह सुलक्षाण को ले लिया गया था लेकिन जब ये बात शत्रुघ्न सिन्हा को पचा चली तो उन्होंने सीधे प्रोड्यूसर को फोन लगाया और रीना रॉय को कास्ट करने की सिफारिश की थी। हालांकि आखिरकार ऐसा नहीं हो पाया और फिल्म सुलक्षणा के साथ ही बनाई गई। ये किस्सा उस दौर में रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा के रिश्ते की गहराई को भी दशार्ता है।

7 साल तक चला था रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा का रिलेशन

-शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के रिश्ते को लेकर सालों तक चचाएं होती रहीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों लंबे समय तक एक-दूसरे के करीब रहे। बताया जाता है कि रीना रॉय इस रिश्ते को शादी का रूप देना चाहती थीं लेकिन उस समय शत्रुघ्न सिन्हा पहले से शादीशुदा थे।

-यही वजह रही कि शत्रुघ्न सिन्हा अपनी लेडी लव रीना रॉय को लेकर कोई बड़ा फैसला नहीं ले सके। धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलती गईं और दोनों के रिश्ते में दूरी आने लगी। कहा जाता है कि करीब 7 साल तक साथ रहने के बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए थे।

क्यों होती है सोनाक्षी सिन्हा और रीना रॉय की तुलना?

आपको बता दें कि शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के रिश्ते की चचाएं सालों बाद भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। इसकी एक वजह एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा भी रही हैं। कई बार सोशल मीडिया पर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा के चेहरे और हाव-भाव की तुलना एक्ट्रेस रीना रॉय से की जाती रही है। हालांकि सोनाक्षी ने कई मौकों पर इस तुलना को पॉजिटिव रूप में लिया है। उनका कहना रहा है कि किसी सफल और खूबसूरत एक्ट्रेस से तुलना होना उनके लिए सम्मान की बात है।

भारत-अफगानिस्तान मैच कौन जीता, किस खिलाड़ी ने मचाई बल्ले से तबाही

(जीएनएस)।

धर्मशाला में भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे बारिश के बाद 25-25 ओवरों का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने विस्फोटक शतकीय पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

गुरबाज ने केवल 51 गेंदों पर 102 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 8 छक्के शामिल रहे तथा उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। अफगानिस्तान की तरफ से सबसे तेज वनडे शतक जड़ने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया, यह 48 गेंदों में आया।

दूसरे सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान 4 गेंदों में सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। सिदीकुल्लाह अतल भी खाता नहीं खोल सके। रहमत शाह ने 8 गेंदों में 3 रन बनाए, जबकि कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने 30 गेंदों पर 27 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। मध्यक्रम में अजमतुल्लाह ओमरजई ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के शामिल थे। अनुभवी मोहम्मद नबी 14 गेंदों में 9 रन ही बना सके। राशिद खान ने 13 गेंदों पर 9 रन जोड़े। भारत की तरफ से इस मुकाबले में डेब्यू करने वाले गेंदबाज गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने 3-3 विकेट अपने नाम किए।

जवाब में खेलते हुए रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने भारत के लिए 47 रन जोड़े। जब रोहित शर्मा 16 के स्कोर पर थे, उस समय गिल की गलती से वह रन आउट होकर चले गए। उनके बाद बैटिंग करने के लिए आए ईशान किशन ने मोर्चा संभाल लिया। किशन ने तेज बैटिंग करते हुए 22 गेंदों में 34 रन बनाए और गिल के साथ मिलकर अर्धशतकीय भागीदारी करते हुए टीम को 100 के पार पहुंचा दिया।

श्रेयस अय्यर सस्ते में आउट हो गए लेकिन गिल फिफ्टी जड़ने के बाद भी क्रीज पर टिके रहे। बाद में केएल राहुल ने तूफानी अंदाज दिखाया और गेंदबाजों को निशाना बनाया। वह 19 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाकर लौटे, गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए। भारत ने 13 गेंद शेष रहते 7 विकेट से मैच जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल कर ली।

यासीन मलिक की बीवी मुशाल हुसैन का दोहरा चेहरा, कश्मीर पर हाय तौबा- पीओके पर खामोश क्यों? चुप रहने का कितना लिया पैसा?

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग इन दिनों हिंसा, बवाल और पाकिस्तानी आर्मी का टॉर्चर झेल रहे हैं। वहां के लोग महंगाई, बिजली संकट, आटा जैसी जरूरी चीजों की कीमतों और बेहतर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। लेकिन इन प्रदर्शनों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसी बीच मानवाधिकारों की बात करने वाली मुशाल हुसैन मलिक की चुप्पी भी सवालों के घेरे में आ गई है।

कौन हैं मुशाल मलिक?

मुशाल हुसैन मलिक तिहाड़ जेल में बंद कश्मीरी अलगाववादी और वादी में आतंकवाद फैलाने वाले यासीन मलिक की पत्नी हैं। वह पाकिस्तान सरकार में प्रधानमंत्री की मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण मामलों की विशेष सलाहकार भी रह चुकी हैं। मुशाल मलिक अक्सर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की आलोचना करती रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मानवाधिकारों की बात उठाती रही हैं।

लेकिन PoK में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और वहां कथित तौर पर हो रहे दमन को लेकर उन्होंने अब तक

कोई बड़ा सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। यही वजह है कि उनकी चुप्पी को लेकर बहस तेज हो गई है।

PoK में आखिर क्या हो रहा है?

रावलकोट समेत PoK के कई हिस्सों में लोग लंबे समय से आर्थिक समस्याओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी से परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें सस्ती बिजली, दो वक्त की रोटी और राजनीतिक स्तर पर ज्यादा प्रतिनिधित्व चाहिए।

रिपोर्टों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों को कंट्रोल करने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने स्थानीय लोगों पर हमले किए जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई, जब कई लोगों के घायल होने की खबरें भी सामने आई हैं। इसके अलावा इंटरनेट सेवाओं पर रोक, गिरफ्तारियां और आवाजाही पर प्रतिबंध जैसी शिकायतें भी स्थानीय लोगों की ओर से की गई हैं।

मानवाधिकारों पर मुशाल के डबल स्टैंडर्ड

मुशाल मलिक की चुप्पी को लेकर आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि यदि मानवाधिकार हर जगह समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, तो ढङ्गड के लोगों की समस्याओं और उन पर हुई कार्रवाई पर भी आवाज उठनी चाहिए। आलोचकों का कहना है कि पाकिस्तान अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मानवाधिकारों की बात करता है, लेकिन जब ढङ्गड में लोग अपने अधिकारों की मांग करते हैं, तब उनकी शिकायतों को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ता। यही कारण है कि पाकिस्तान की नीतियों पर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लग रहे हैं। अब PoK के लोग ही मुशाल से पूछने लगे हैं कि PoK में हो रही पाकिस्तान आर्मी की बर्बरता पर चुप रहना का आसिम मुनीर से कितना पैसा लिया है? जेएएसी नेताओं ने पाकिस्तान पर लगाए आरोप - PoK में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के नेताओं ने भी पाकिस्तान प्रशासन की आलोचना की है। उनका आरोप है कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक और रणनीतिक फायदे के लिए करता है, जबकि स्थानीय लोगों की वास्तविक समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता।

भारतवंशी जयश्री कौन? अमेरिका की 7वीं सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिला बनीं

(जीएनएस)।

अमेरिका की सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिलाओं की सूची में इस बार भारतीय मूल की जयश्री उल्लाल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फोर्ब्स की 2026 की 'अमेरिकाज रिचेस्ट सेल्फ-मेड विमेन' लिस्ट में उन्हें 7वां स्थान मिला है। करीब 6.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वह इस सूची में शामिल सबसे सफल भारतीय मूल की महिला बनकर उभरी हैं।

खास बात यह है कि जयश्री ने यह मुकाम किसी पारिवारिक कारोबार के सहारे नहीं, बल्कि अपनी इंजीनियरिंग स्किल, लीडरशिप और दूरदर्शी सोच के दम पर हासिल किया है। कभी शून्य कमाई वाली एक छोटी कंपनी की कमान संभालने वाली जयश्री आज सिलिकॉन वैली की सबसे सफल टेक लीडर्स में गिनी जाती हैं।

जयश्री उल्लाल का जन्म लंदन में भारतीय परिवार में हुआ, लेकिन उनकी परवरिश नई दिल्ली में हुई। बचपन से ही उन्हें टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग में दिलचस्पी थी। आगे की पढ़ाई के लिए वह अमेरिका चली गईं। वहां उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर्स किया। मजबूत टेक्निकल बैकग्राउंड ने उन्हें बाकी बिजनेस लीडर्स से अलग पहचान दी। यही वजह रही कि उन्होंने सिर्फ मैनेजमेंट नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी को समझते हुए बड़े फैसले लिए और इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई।

Cisco में सीखा टेक बिजनेस का खेल

अरिस्टा नेटवर्क्स से जुड़ने से पहले जयश्री ने अटऊ और

फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर जैसी कंपनियों में काम किया। इसके बाद वह Cisco Systems का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने करीब 15 साल बिताए। इसी दौरान उन्हें बड़े स्तर पर टेक बिजनेस चलाने और नेटवर्किंग इंडस्ट्री को समझने का मौका मिला। Cisco में उन्होंने टॉप लीडरशिप के साथ काम किया और इंटरनेट क्रांति के दौर को करीब से देखा। यही अनुभव आगे चलकर उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बना और उन्होंने टेक मार्केट के भविष्य को समय रहते पहचान लिया।

2008 का रिस्क जिसने बदल दी जिंदगी

साल 2008 में जयश्री ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने Cisco जैसी दिग्गज कंपनी छोड़कर छोटे से स्टार्टअप Arista Networks का नेतृत्व संभाल लिया। उस समय कंपनी की कोई कमाई नहीं थी और मार्केट में पहचान भी नहीं थी। हालांकि जयश्री को भरोसा था कि क्लाउड कंप्यूटिंग भविष्य बदलने वाली है। उन्होंने कंपनी को उसी दिशा में तैयार किया। उनका यह दांव सफल रहा और Arist के नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स दुनिया की बड़ी टेक और क्लाउड कंपनियों की पसंद बन गए। 2014 में कंपनी का क्वड भी बेहद सफल रहा।

दुनिया में बढ़ा भारतीय महिलाओं का दबदबा

जयश्री उल्लाल की सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय महिलाओं की बढ़ती ताकत की भी कहानी है। आज कई भारतीय मूल की महिलाएं दुनिया की बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रही हैं।

हेल्थकेयर, बैंकिंग, टेक, एंटरटेनमेंट और लग्जरी सेक्टर में भारतीय महिलाओं का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जयश्री ने साबित किया है कि सही स्किल, विजन और मेहनत के दम पर दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी बाजार में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उनकी कहानी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

'नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं', 3 भारतीय नाविकों की मौत के बीच अमेरिकी ने दी चेतावनी

(जीएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध अब भारत के लिए भी बड़ी चिंता का सबब बन गया है। समुद्र के एक बेहद महत्वपूर्ण रास्ते, 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने एक व्यापारिक जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में जहाज पर काम करने वाले 3 भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई है।

इस घटना के बाद भारत और अमेरिका के बीच आपसी रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए हैं। इस मुद्दे पर यूरोप के दौरे पर गए भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार, 13 जून को नए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की । एक तरफ जहां जयशंकर ने अपने नागरिकों की मौत पर अमेरिका के सामने बहुत कड़ा विरोध जताया, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री ने दो टूक लहजे में कह दिया कि वे ईरान से तेल का अवैध व्यापार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री की दोटूकः 'हमारे आदेश मानो, वरना भुगतना होगा अंजाम'

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बातचीत के दौरान साफ कर दिया कि अमेरिका अपने फैसलों से पीछे नहीं हटने वाला है। उन्होंने कहा कि समुद्र के इस रास्ते पर शांति बनाए रखने के लिए अमेरिकी नौसेना तैनात है और वहां से गुजरने वाले हर देश के जहाजों को अमेरिका की बात माननी होगी। मार्को रुबियो ने चेतावनी देते हुए इस इलाके से गुजरने वाले सभी व्यापारिक जहाजों को बिना कोई आनाकानी किए अमेरिकी नौसेना के आदेशों का पालन करना होगा।

अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी कर रखी है ताकि वह अपना तेल न बेच सके। अगर कोई भी जहाज चोरी-छिपे ईरान का तेल ले जाते हुए पाया गया, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। जो जहाज अमेरिकी चेतावनी को हल्के में लेगा, उस पर अमेरिकी सेना सीधे हमला करने से परहेज नहीं करेगी।

क्या है पूरी घटना? कैसे गई 3 भारतीयों की जान?

यह पूरा विवाद इस हफ्ते तब शुरू हुआ जब 'एमटी सेटेबेलो' नाम के एक बड़े तेल टैंकर जहाज पर अमेरिकी वायुसेना ने आसमान से मिसाइल दाग दी। अमेरिका का आरोप था कि यह जहाज अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों को ताक पर रखकर ईरान से तेल लोड करके ले जा रहा था। अमेरिकी नौसेना ने इसे रुकने का इशारा किया, लेकिन जब जहाज नहीं रुका, तो अमेरिकी फाइटर जेट ने सीधे जहाज के इंजन रूम को उड़ा दिया ताकि जहाज आगे न बढ़ सके।

इस जहाज को चलाने वाले क्रू के सभी 24 सदस्य भारतीय थे। मिसाइल हमले के बाद जहाज में भीषण आग लग गई, जिसमें 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई। बाकी बचे 21 भारतीयों को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस हफ्ते यह कोई पहली घटना नहीं है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास अब तक ऐसे तीन जहाजों पर अमेरिकी हमले हो चुके हैं, जिनमें भारतीय लोग काम कर रहे थे।

भारत का कड़ा रुखः एक हफ्ते में दो बार अमेरिकी राजनयिक को किया तलब

अपने नागरिकों की मौत से भारत सरकार बेहद गुस्से में है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से फोन पर साफ-साफ कहा कि व्यापारिक जहाजों और आम नागरिकों पर इस तरह का जानलेवा हमला किसी भी हाल में सही नहीं ठहराया जा सकता। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुला उल्लंघन है।

शुक्रवार, 12 जून को भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में मौजूद सबसे सीनियर अमेरिकी राजनयिक (राजदूत की अनुपस्थिति में काम संभाल रहे अधिकारी) को दफ्तर बुलाकर अपनी गहरी नाराजगी जताई। यह इस हफ्ते में दूसरी बार था जब भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास के बड़े अधिकारी को तलब कर फटकार लगाई है। भारत ने कहा कि इस तरह के हमलों से पूरी दुनिया का समुद्री व्यापार खतरे में पड़ रहा है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह समुद्री रास्ता?

दुनिया का लगभग 20 से 30 प्रतिशत कच्चे तेल का व्यापार इसी 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के संकरे रास्ते से होता है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल इसी रास्ते से मंगवाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के मर्चेंट नेवी के जहाजों पर लाखों भारतीय नाविक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

ऐसे में अमेरिका और ईरान की इस जंग के बीच भारतीय जहाजों का फंसना और भारतीय नागरिकों की जान जाना भारत के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। भारत के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने नागरिकों की सुरक्षा और देश में तेल की सप्लाई को बिना किसी बाधा के जारी रखने की है।

अभिषेक बनर्जी के घर क्यों पहुंची कोलकाता पुलिस और सेंट्रल फोर्स

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सांसदों, विधायकों और नेताओं की बगावत के बीच ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की मुसीबत और बढ़ चुकी है। 13 जून (शनिवार) को तड़के टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर पर कोलकाता पुलिस और सेंट्रल फोर्स ने अचानक छापा मारा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर अचानक सुबह-सुबह हुई इस बड़ी छापेमारी की जानकारी मिलते ही तृणमूल सुप्रीमों ममता बनर्जी भी वहां पहुंच गईं।

3 बजे शुरू हुई कार्रवाई

पीटीआई न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार सुबह करीब 3 बजे पश्चिम बंगाल पुलिस और सेंट्रल फोर्स की टीम दक्षिण कोलकाता के कालीघाट इलाके में स्थित अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि छापा मारने वाली टीम में सेंट्रल फोर्स के साथ कालीघाट और मेदिनीपुर की शालबनी थाने के पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। पहले घर के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई और फिर अंदर एंट्री की कोशिश शुरू हुई।

घंटों हुई तलाशी

यह पूरी कार्रवाई लगभग चार घंटे से ज्यादा समय तक चली। सुबह तक पुलिसकर्मी घर के अंदर और बाहर मौजूद रहे। बीच-बीच में अधिकारी बाहर आकर बातचीत करते दिखे और फिर दोबारा घर के अंदर गए। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है।

अभिषेक बनर्जी के घर क्यों पहुंची पुलिस, क्या है मामला?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव सुमित रॉय की तलाश में पुलिस पहुंची थी। ये मामला वित्तीय गड़बड़ी से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। शालबनी (रंुङ्गल्ल) के स्थानीय टीएमसी

नेता से की गई पूछताछ के आधार पर किया गया है। अभिषेक बनर्जी के पीए सुमित राय पर टीएमसी का टिकट दिलाने के नाम पर पैसे वसूलने, रंगदारी और वित्तीय धोखाधड़ी करने का आरोप है।

फरार चल रहे सुमित के मोबाइल टावर लोकेशन अभिषेक बनर्जी के घर का मिला था जिसके चलते ये छापेमारी की गई। टीएमसी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जबकि प्रशासन की ओर से अभी तक यह साफ नहीं किया गया है कि यह छापेमारी किस खास मामले में की गई।

अभिषेक बनर्जी ने ताला तोड़ने का लगाया आरोप

घर से बाहर आने के बाद अभिषेक बनर्जी ने वहां मौजूद स्थानीय पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुलिस पर ताला तोड़ने का सीधा आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने कहा, "उन्होंने ताला तोड़ा, घर के अंदर घुसे और हर कमरे की सघन तलाशी ली।" अभिषेक बनर्जी ने नाराजगी जताते हुए कहा, इस तलाशी में उन्हें क्या मिला, ये तो मैं पुलिस से ही पूछूंगा। अभिषेक बनर्जी ने खुद को बेकसूर बताते हुए कहा, मैं इन गीदड़भभकियों से डरने वाले नहीं है।

पुलिस को आखिर क्यों तोड़ना पड़ा ताला?

शुक्रवार और शनिवार की मिड नाइट को पुलिस अभिषेक बनर्जी के दरवाजे सुमित की तलाश में पहुंची और बार-बार दरवाजा खटखटाया और घंटो इंतजार किया। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो आपदा प्रबंधन विभाग की टीम की मदद से दरवाजे का ताला तोड़ा गया।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ केस में सीबीआई कर रही पूछताछ

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के राज्य विधानसभा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ जांच चल रही है। इस संबंध में दो दिन पहले ही पश्चिम बंगाल सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी से कार्यालय में लंबी पूछताछ भी की थी, जिसके बाद ये कार्रवाई हुई। अब सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को 14 जून को दोपहर 12 बजे अधिकारियों के सामने पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया है।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कौन-कौन से दर्ज हैं मामले?

गौरतलब है कि अभिषेक बनर्जी लंबे समय से प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी जांच एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। कोयला घोटाले और शिक्षक भर्ती घोटाले जैसे मामलों में उनसे कई बार लंबी पूछताछ की जा चुकी है।

टछअ सिग्नेचर फजीर्वाड़ा केस (उकऊ जांच)

अभिषेक बनर्जी पर आरोप हैं कि उन्होंने TMC विधायकों के हस्ताक्षर फर्जी करके एक पत्र/प्रस्ताव तैयार किया गया था। ये लेटर विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति से संबंधित बताया जा रहा है। सीआईडी इस मामले में पूछताछ कर रही है और बार-बार समन भेजा गया है। उनसे पूछताछ भी इसी मामले में हुई है।

चुनावी भाषण और "भड़काऊ बयान" केस

2026 विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए भाषणों पर ऋक्रक्र दर्ज हुई है। जिसमें अभिषेक बनर्जी पर आरोप भड़काऊ भाषण देकर सांप्रदायिक या राजनीतिक तनाव बढ़ाने की कोशिश की। कुछ बयानों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी उन्होंने जिक्र किया था।

ED (ईडी) - भर्ती घोटाला / मनी लॉन्ड्रिंग केस

पश्चिम बंगाल के प्राइमरी टीचर्स भर्ती घोटाले से जुड़ा मामला भी दर्ज है जिसमें अभिषेक बनर्जी पर आरोप है कि भर्ती में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच चल रही है। ED ने उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजा है।

राजनाथ सिंह के भतीजे की दर्दनाक मौत, सदमें में बहू कौन? 2 साल पहले हुई थी शादी-पीछे छूटा 11 माह का बेटा

(जीएनएस)।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के परिवार पर बीते दो दिनों में दुखों का ऐसा दौर आया है, जिसने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार ने लगातार दो दिनों के भीतर दो करीबी सदस्यों को खो दिया। पहले 29 वर्षीय भतीजे का असमय निधन हुआ और फिर अगले ही दिन परिवार से जुड़े एक अन्य रिश्तेदार के निधन की खबर ने माहौल को और अधिक गमगीन बना दिया।

बताया जा रहा है कि 11 और 12 जून के बीच हुई इन दोनों घटनाओं ने परिवार के सभी सदस्यों को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक दर्दनाक पहलू यह है कि दिवंगत भतीजे की शादी को अभी केवल दो साल ही हुए थे और उनके परिवार में एक 11 महीने का बेटा भी है, जो अभी इतना छोटा है कि उसे अपने पिता के निधन का एहसास तक नहीं है।

परिजनों के मुताबिक पत्नी अभी भी इस सदमे से उबर नहीं पा रही हैं। पति की अचानक मौत ने उन्हें मानसिक रूप से झकझोर दिया है। रिश्तेदार और राजनीति से जुड़े करीबियों का लगातार परिवार को सांत्वना देने का तांता लगा हुआ है। आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर कैसे हो गई मौत? क्या करता था भतीजा? कौन है पत्नी?

प्रभात सिंह उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रेवती क्षेत्र, गाय घाट गांव के निवासी थे। उम्र मात्र 29 वर्ष। प्रभात दिल्ली में रहते थे और ठेकेदारी, प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। वे परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। प्रभात सिंह दो भाई हैं। बड़े भाई विक्रम सिंह उर्फ झाबर परिवार के व्यवसाय देखते हैं। उनके पिता प्रदीप सिंह, राजनाथ सिंह के रिश्ते में भाई थे। प्रभात परिवार के बेहद करीबी सदस्य माने जाते थे।

परिवार की स्थितिः

प्रभात सिंह के पिता प्रदीप सिंह 6 भाई थे। प्रदीप सिंह का निधन 2003 में हो चुका है।

चाचा शशि सिंह का भी निधन हो चुका है।

ताऊ सुरेंद्र सिंह (पूर्व प्रधान) और चाचा पिंटू सिंह (खेती-बाड़ी और पेट्रोल पंप) परिवार संभाल रहे हैं।

प्रभात सिंह की शादी 2024 में हुई थी। दुल्हन स्वास्थ्य विभाग में डायरेक्टर जनरल रहे डॉ. वेद प्रकाश सिंह की बेटी वैजयंती हैं। रिंग सेरेमनी वाराणसी में और मुख्य विवाह दिल्ली के ताज होटल में धूमधाम से हुआ।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा- अब विदेशी भी यहां आकर करेंगे चाकरी

मुख्यमंत्री ने 295 करोड़ से अधिक लागत वाली 319 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री ने गांधी इंटर कॉलेज, महुआपार बड़हलगंज में शनिवार को 295 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 319 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह धरा मां सरयू के आंचल में है। यहां के नौजवानों ने हर जगह अपनी प्रतिभा व परिश्रम का लोहा मनवाया है। एक समय बाढ़ की त्रासदी और कनेक्टिविटी के अभाव में क्षेत्र के लोग पलायन करते थे।

आजीविका के लिए विदेश जाना पड़ता था, लेकिन अब यहां के नौजवान को बाहर नहीं जाना होगा। उसे यहीं रोजगार के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। अब आपके द्वारा चुने गए विधायक-सांसद डबल इंजन सरकार की ताकत का इस्तेमाल करते हुए विदेश के लोगों को चिल्लूपार में काम करने का अवसर देने जा रहे हैं। विदेशी लोग यहां आकर चाकरी करेंगे। सीएम ने विश्वास जताया कि विकास व विरासत की यात्रा के साथ चिल्लूपारवासी बिना रुके-बिना झुके निरंतर आगे बढ़ेंगे।

सीएनजी-एथेनॉल ने बंद नहीं होने दिया काम

सीएम योगी ने कहा कि हम लोगों ने धुरियापार में बंद पड़ी चीनी मिल की खाली जमीन पर सीएनजी का प्लांट लगवाया। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण दुनिया में संकट है, लेकिन सीएनजी-एथेनॉल के कारण हमारे यहां काम बंद नहीं हुआ। ऊर्जा में आत्मनिर्भर अमेरिका में भी महंगाई चार गुना हो गई है। वहां 100 रुपये की वस्तु 400 रुपये में मिल रही है, लेकिन भारत में महंगाई नियंत्रित है।

धुरियापार में लगने जा रही सीमेंट फैक्ट्री

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत गरीब कल्याण, विकास व सुरक्षा का बेहतरीन माहौल देते हुए माफिया को मिट्टी में भी मिलाता है। एक समय रामजानकी मार्ग पर आवागमन ठप होता था। उपचार के लिए लखनऊ जाने को मजबूर होना पड़ता था। कनेक्टिविटी, रोडवेज बस व अन्य साधन तक नहीं थे। जैसे-तैसे व्यवस्था चल पाती थी, लेकिन आज कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। 2017 के पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि धुरियापार में इंडियन ऑयल का सीएनजी प्लांट लगेगा या सहजनवां का गीडा आ पाएगा। अब हम यहां ग्रेटर गीडा बनाने जा रहे हैं। अभी से हजारों करोड़ रुपये के प्रस्ताव आ गए हैं, जिन्हें हमें उद्योग के रूप में स्थापित करना है। इसमें सीमेंट की फैक्ट्री धुरियापार में लगने जा रही है। पावर प्लांट, आधुनिक पेंट व अत्याधुनिक डिस्टलरी भी स्थापित होगी, जहां मॉडर्न मेडिसिन, एलोपैथिक दवा भी बनेगी। यहां भारी पैमाने पर निवेश के प्रस्ताव आ रहे हैं।

राजेश त्रिपाठी जितने प्रस्ताव देंगे, सरकार स्वीकृत करेगी

सीएम ने कहा कि विधायक

राजेश त्रिपाठी जितने भी प्रस्ताव देंगे, सरकार उन्हें स्वीकृत करेगी। राजेश त्रिपाठी ने यहां होमियोपैथिक कॉलेज स्वीकृत कराया था, उस समय काम बढ़ा, लेकिन सपा सरकार ने आते ही काम रोक दिया। उस समय चुने गए लोगों ने कान में तेल डालकर इसे अनसुना कर दिया था। 2017 में सरकार आने पर राजेश जी इस काम के लिए रोज मिलते थे। आज इस विधानसभा क्षेत्र में आयुष के डॉक्टर बन रहे हैं। चिल्लूपार ट्रेडिशनल मेडिसिन का नया केंद्र बन रहा है।

जितनी फास्ट कनेक्टिविटी-उतनी तेज प्रगति

सीएम योगी ने बताया कि मैंने जलशक्ति मंत्री से कहा है कि बाढ़ बचाव के लिए जो भी प्रस्ताव आएंगे, उन समस्याओं का समाधान होना चाहिए। सीएम ने कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए कहा कि यह जितनी फास्ट होगी, प्रगति उतनी तेज गति से बढ़ेगी। प्रगति होगी तो नौजवान को पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में नौकरी व रोजगार मिलेगा, यही देश में डबल इंजन सरकार के कार्यों की पहचान है। गीडा यहीं आ रहा है, यहां के नागरिकों के लिए रोजगार के ढेर सारे अवसर बढ़ेंगे। नौजवानों को बाहर नहीं जाना होगा।

चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र से अब बेहतर कनेक्टिविटी

सीएम योगी ने कहा कि चिल्लूपार अब विकास की प्रक्रिया से जुड़ा है। एक तरफ लखनऊ को जोड़ने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लिंक एक्सप्रेसवे तो दूसरी तरफ गोरखपुर-वाराणसी को जोड़ने वाला फोरलेन का नेशनल हाइवे है। इस विधानसभा क्षेत्र से कनेक्टिविटी बहुत अच्छी है। यहां से तीन घंटे में लखनऊ, दो घंटे में वाराणसी, आधे-पौने घंटे में गोरखपुर पहुंच जाएंगे।

सांसद कमलेश पासवान व विधायक राजेश त्रिपाठी ने तेज की विकास प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने विपरीत मौसम के बावजूद कार्यक्रम में आए आमजन के हौसले को सलाम किया और कहा कि आपके उत्साह को देखते हुए आंधी-तूफान भी थम गया। कल्याण चाहने वालों को डबल इंजन सरकार के साथ चलना होगा। सांसद कमलेश पासवान व विधायक राजेश त्रिपाठी ने मिलकर विकास की प्रक्रिया को तेज किया। विकास की हर योजना चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में आ रही है। यह क्षेत्र अब विकास से वंचित नहीं रहेगा। विकास की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़े, यही यूपी की पहचान है।

कमल पर वोट देते हैं तो तर जाती है पीढ़ी दर पीढ़ी

सीएम ने कहा कि आप कमल पर वोट देते हैं तो पीढ़ी दर पीढ़ी तर जाती है। 500 वर्ष पहले जिस अयोध्या धाम में हम सभी अपमानित हुए थे, वहां लगातार आंदोलन चलता रहा। संघर्ष का सिलसिला थमा नहीं, लेकिन जब मोदी जी पीएम बने और यूपी में डबल इंजन सरकार आई तो अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बन गया। यह काम कांग्रेस या सपा नहीं कर पाती।

जब विधायक ही ठेका-पट्टा करेगा तो क्या होगा

सीएम ने कहा कि जो लोग आस्था-महापुरुषों को सम्मान, विकास की योजनाएं, नौजवान को रोजगार, उद्योग-धंधे नहीं ला सकते, बेटी-बहन को सुरक्षा, बाढ़ की समस्या का समाधान और सड़कों का निर्माण नहीं कर सकते, ऐसे लोगों को नहीं चुनना चाहिए। जब गलत व्यक्ति को चुनते हैं तो अपने ऊपर बोझ व कलंक का ठप्पा लगाते हैं। उत्तर प्रदेश के साथ यही होता था, गलत लोग चुनकर जाते थे तो जनता का पैसा कुछ लोगों के ही विकास में लगता था। नौकरी में सेंध लगती थी। नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। पैसे का लेनदेन शुरू हो जाता था। ठेके पट्टे के लिए मारपीट होने लगती थी। जब विधायक स्वयं ठेका करेगा तो क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

गोरखपुर के ८०० से अधिक नौजवान पुलिस में भर्ती

सीएम ने कहा कि पुलिस भर्ती में चिल्लूपार और गोरखपुर के भी लगभग ८०० से अधिक नौजवान शामिल थे। आज सरकारी सेवाओं में गोला, बड़हलगंज, गगहा, बांसगांव, खजनी, सिकरीगंज, चौरीचौरा, पिपरौली, सहजनवा, पाली से भी नौजवानों का चयन होता है। जब मैं सांसद था तो उन नौजवानों की उम 12 से 15 साल के आसपास रही होगी। सांसद के रूप में गांव-गांव जाकर परिवार के सदस्यों से संपर्क करता था। 9 वर्ष से पूरे प्रदेश की सेवा में लगने के कारण उतना समय नहीं दे पाता। नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान युवाओं से गांव, परिवार और मां-पिता का नाम पूछता हूं तो उनकी पीठ थपथपाकर चयन की बधाई भी देता हूं। 2017 के पहले यह संभव नहीं था, क्योंकि चाचा-भतीजे की जोड़ी आपके हक पर डकैती डालती थी, वसूली होती थी और होनहारों का चयन नहीं होता था।

चिल्लूपार, मऊ, आजमगढ़ के नाम पर नहीं मिलती थी नौकरी

सीएम ने कटाक्ष किया कि 2017 के पहले युवा नौकरी व रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाता था तो पहचान का संकट होता था। लोग चिल्लूपार, आजमगढ़, मऊ के नाम पर नौकरी नहीं देते थे। किसी उद्योग में काम करने गए तो योग्यता होने पर भी यूपी का नाम सुनकर लोग कहते थे कि वहां का साया न पड़ने पाए। उस समय यहां दंगा, कर्फ्यू, अव्यवस्था, माफियागिरी, अराजकता थी। लेकिन, आज लोग बाहर जाकर बताएंगे कि गोरखपुर-चिल्लूपार से आए हैं तो सामने वाला 10 कदम आगे आकर गले मिलेगा। यह विकास की यात्रा की नई पहचान है।

विकास, सुरक्षा और आस्था का करेंगे सम्मान

सीएम ने कहा कि हम विकास, सुरक्षा, आस्था का सम्मान करेंगे और समृद्धि की नई ऊंचाई की ओर लेकर जाएंगे। हम यहां ऐसे संस्थान खोलेंगे, जहां उद्योग के लिए युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और उद्योग में नौकरी भी मिलेगी। हम यहीं प्रशिक्षित युवाओं व बेटियों को नौकरी उपलब्ध कराएंगे। बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। विकास और अर्थव्यवस्था को गति तभी मिलेगी, जब अच्छी सरकारें होंगी और सुरक्षा-सुशासन का माहौल होगा।

अच्छे लोग चुने गए तो अच्छी सरकारें आईं

सीएम ने कहा कि जब अच्छे लोग चुनकर गए, तभी अच्छी सरकारें आईं और अयोध्या में राम मंदिर बना। रामजानकी मार्ग का निर्माण हो रहा है। काशी विश्वनाथ धाम, गोरखपुर में फर्टिलाइजर व एम्स का निर्माण पूरा हो गया है। चिल्लूपार, बड़हलगंज में मेडिकल कॉलेज, धुरियापार में ग्रेटर गीडा का निर्माण कर विकास की गति बढ़ाई गई। अच्छे जनप्रतिनिधि सुविधाएं विकसित करने का आधार बनते हैं। नेतृत्व के साथ मिलकर स्पीड को बढ़ाएंगे तो विकास को कोई ताकत रोक नहीं पाएगी।

कार्यक्रम में चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री व बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान, उप्र के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, विधायक श्रीराम चौहान, प्रदीप शुक्ल, महेंद्र पाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, फतेह बहादुर सिंह, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्याय अस्मिता चंद आदि उपस्थित रहे।

'वो मेरे बेटे जैसा, पिता का काम हैं माफ कर देना', अचानक क्यों बदले कल्याण बनर्जी के सुर?

(जीएनएस)।

तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहे विद्रोह और बगावत के बीच टीएमसी सांसद और जाने-माने वकील कल्याण बनर्जी ने अचानक पलटी मार कर सबको हैरान कर दिया है। टीएमसी आलाकमान ममता बनर्जी पर दो दिन पहले तीखा हमला बोलते हुए अल्टीमेटम देने वाले इस कद्दावर नेता के तेवर अब अचानक नरम पड़ गए हैं।

अभिषेक बनर्जी से नाराज होकर पार्टी छोड़ने की धमकी देने के बाद कल्याण बनर्जी ने अपने तीखे बयानों से पूरी तरह यू-टर्न ले लिया। शनिवार को समाचार एजेंसी एएनआई से खास बातचीत में कल्याण बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी के रिश्तों पर बेहद ड्रामेटिक अंदाज में खुलकर बातचीत की। उन्होंने खुद को एक बड़ा अभिभावक साबित करते हुए कहा, "अभिषेक बनर्जी हमारे राष्ट्रीय महासचिव हैं, 'वह मेरे बेटे जैसा है, बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम है, मैं कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं रखता।"

याद रहे 11 जून को कल्याण बनर्जी ही बताया था कि अभिषेक बनर्जी ने अपने खिलाफ फर्जी हस्ताक्षर से जुड़े केस से उन्हें हटाकर किसी और एडवोकेट को सौंप दिया है। तब उन्होंने अभिषेक बनर्जी को अहंकारी कहा था और उन्हें टीएसी पर आई मुश्किलों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि "वह बहुत अहंकारी व्यक्ति हैं। यह समझना होगा कि अभिषेक बनर्जी की वजह से आज पार्टी बर्बाद हो गई है। हमने इसे खो दिया है। हर कोई यही कह रहा है।"

ममता दीदी को दिया था अल्टीमेटम

इसके अलावा कल्याण बनर्जी ने अपने सख्त तेवर दिखाते हुए ममता बनर्जी को सीधे तौर पर अल्टीमेटम देते हुए कहा था, 'मुझे या अभिषेक बनर्जी में आप किसी एक को चुनें। उन्होंने यह चेतावनी भी दी थी कि यदि तृणमूल प्रमुख ने अपने भतीजे अभिषेक का समर्थन करना जारी रखा, तो वे भविष्य में कोई दूसरा गंभीर निर्णय लेने के लिए वो मजबूर हो जाएंगे। हालांकि शनिवार को उनके नए बयानों से साफ हो गया है कि वे फिर से ममता दीदी वाले खेमे में शामिल हो गए हैं।

ममता बनर्जी और टीएमसी में टूट पर क्या बोले कल्याण बनर्जी?

कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी के प्रति अपनी अटूट वफादारी जताते हुए साफ कहा, "ममता बनर्जी मेरी नेता हैं। वे मेरी एकमात्र नेता हैं। उनके प्रति मेरी पूरी वफादारी है। वे जो कुछ भी कहेंगी, मैं वही करूंगा।" उनके इस नए रुख से पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों के बीच भी एक नया संदेश गया है।

लोकतंत्र आज खतरे में आ गया

उन्होंने आरोप लगाया कि समूचे राज्य में लोकतंत्र आज खतरे में आ गया है। कल्याण बनर्जी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में पहले कभी भी ऐसे विपरीत हालात नहीं रहे, जहां विपक्ष को पूरी तरह कमजोर या समाप्त कर दिया गया हो। उन्होंने मुख्यमंत्री के रवैये को बदले की भावना से प्रेरित बताया।

बागी तृणमूल सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की योजना बनाने का दावा किया जा रहा था। इस पर कल्याण बनर्जी ने ऐसे कयासों को बेबुनियाद और केवल ध्यान भटकाने वाली एक सुनियोजित राजनीतिक चाल करार दिया।

ममता बनर्जी की TMC में क्यों हुई बगावत?

दरअसल, विधानसभा चुनाव 2026 में करारी हार का सामना करने के बाद टीएमसी में ओल्ड बनाम न्यू की एक बड़ी जंग चल रही है। जहां एक तरफ ममता बनर्जी के सबसे वफादार और पुराने वरिष्ठ नेता अपनी सुप्रीमेसी को सुरक्षित करने में लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ अभिषेक बनर्जी के खिलाफ टीएसी की यूथ ब्रिगेड ने मोर्चा खोल दिया है। इस अंदरूनी लड़ाई टीएमसी की नींव तक हिल गई है।